न्यूज डायरी

वाइट हाउस ने मोदी को किया ट्विटर पर किया अनफॉलो

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में जब हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन टैबलेट के निर्यात को भारत के मंजूरी देने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फॉलो करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस ने अब उन्हें अनफॉलो कर दिया है। वाइट हाउस ने पीएम मोदी, प्रधानमंत्री कार्यालय, राष्ट्रपति भवन समेत भारत के कुल छह ट्विटर हैंडल को अनफॉलो कर दिया है। वाइट हाउस के अचानक उठाए गए इस कदम के पीछे छिपी मंशा का पता नहीं चल पाया है। इससे पहले मलेरिया की दवा देने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न सिर्फ भारत की प्रशंसा की थी बल्कि पीएम नरेंद्र मोदी को महान नेता करार दिया था। ट्रंप के इस बयान के बाद वाइट हाउस के ट्विटर हैंडल ने पीएम मोदी और राष्ट्रपति कार्यालय को फॉलो करना शुरू कर दिया था।

इमरान खान के करीबी सिंध के गवर्नर इस्माइल को कोरोना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के गवर्नर इमरान इस्माइल कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। इस्माइल प्रधानमंत्री इमरान खान के बेहद करीबी सहयोगी हैं। सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के वरिष्ठ नेता इस्माइल ने कहा कि वह संक्रमण को मात देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, मैं कोरोना वायरस से संक्रमित हो गया हूं..अल्लाह हमें इस महामारी से लड़ने की ताकत दे। प्रधानमंत्री खान और उनकी पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं ने गर्वनर के जल्द ठीक होने की कामना की है। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, श्कामना है कि गवर्नर इमरान इस्माइल जल्द ठीक हो जाएं। अल्लाह उन्हें इससे मुकाबला करने की ताकत दें। गवर्नर इस्माइल ने ट्विटर पर हर किसी का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा, मैं जल्द ठीक होने की कामना व्यक्त करने के लिए कैबिनेट के सारे सदस्यों, दोस्तों, परिवार के लोगों का शुक्रिया अदा करता हूं। मेरी हालत ठीक है।

पाकिस्तान में कोरोना के मामले 14,079, मृतकों की संख्या 300 के पार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि पाकिस्तान सरकार देश में कोविड–19 के हालात पर करीब से नजर रख रही है। वहीं मुल्क में कोरोना वायरस के मामलों की संख्या 14,000 के पार चली गई और मरने वालों की तादाद भी 301 हो गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा के मुताबिक, 3,233 मरीज जानलेवा वायरस से ठीक हो गए हैं। मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तान में 14,079 मामले आए हैं। पंजाब में 5,640, सिंध में 4,956, खैबर–पख्तूनख्वा में 1,984, बलूचिस्तान में 853, गिलगित–बाल्टिस्तान में 320, इस्लामाबाद में 261 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 65 मामले हैं। अब तक 157, 223 जांच हुई हैं, जिनसें से 6417 बीते 24 घंटे में ही की गई हैं। डॉन अखबार ने खबर दी है कि खान ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान में कोरोना वायरस की तीव्रता दुनिया के अन्य हिस्सों की तरह गंभीर नहीं है।

काबुल में फिदाई हमले में तीन नागरिकों की मौतः अफगान अधिकारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी के बाहरी इलाके में स्थित अफगान विशेष बलों के अड्डे को बुधवार को एक फिदाई हमलावर ने निशाना बनाया। इसमें तीन आम नागरिकों की मौत हो गई और 15 अन्य जख्मी हो गए। सरकार ने हमले के लिए तालिबान को जिम्मेदार ठहराया। एक सैन्य अधिकारी ने बताया कि विस्फोट सैन्य कमांडो के अड्डे के बाहर हुआ। उस वक्त वहां अनुबंध के आधार पर काम करने वाले असैन्य अंदर आने का इंतजार कर रहे थे।गृह मंत्रालय के प्रवक्ता तारीक आरियान ने बताया कि जहां विस्फोट हुआ वह स्थान चहार असयाब जिले में आता है। उन्होंने हमले के लिए तालिबान को जिम्मेदार ठहराया और इसे इंसानियत के खिलाफ जुर्म बताया। प्रवक्ता ने कहा, " निशाना अड्डा था लेकिन फिदाई अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सका और उसने बेगुनाह नागरिकों को मार दिया।

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने पाक को दी राहत

अब 4 महीने बाद होगा ब्लैक लिस्ट पर फैसला

राहत

- ग्रे लिस्ट में चल रहे पाक के ब्लैक लिस्ट होने पर फैसला जून में होना था
- चार महीने बाद बैठक में यह तय होगा कि क्या पाकिस्तान को ब्लैक लिस्ट किया जाए या नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए पाकिस्तान को चार महीने की अंतरिम राहत दे दी है। एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में चल रहे पाकिस्तान के ब्लैक लिस्ट होने पर फैसला जून में होना था। इसी बैठक में यह तय होगा कि क्या पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट से हटाया जाए या उसे ब्लैक लिस्ट किया जाए।

एफएटीएफ ने एक बयान जारी करके कहा कि निगरानी सूची में शामिल पाकिस्तान को वह चार महीने की अतिरिक्त राहत दे रहा है। इस दौरान पाकिस्तान को आतंकियों के वित्त पोषण को बंद करना होगा। एफएटीएफ ने चेतावनी दी कि वह आतंकी संगठनों के वित्त पोषण या उनकी गतिविधियों को रोकने के प्रयास में कोई छूट नहीं दे रहा है।

वित्त पोषण पर जारी रहेगी निगरानीः एफएटीएफ

वैश्विक संस्था ने कहा कि वह कोरोना वायरस संकट के आतंकियों के वित्त्त पोषण पर पड़ने वाले असर की सक्रिय रूप से निगरानी करेगी। इससे पहले कोरोना महासंकट के

बीच पाकिस्तान ने खुद को एफएटीएफ की ग्रे सूची से हटाए जाने के लिए बड़ा दांव चला था। पाकिस्तान ने पिछले 18 महीने में निगरानी सूची से हजारों आतंकवादियों के नाम को हटा दिया है। पाकिस्तान ने यह हरकत ऐसे समय पर की थी जब जून महीने में एफएटीएफ की बैठक होने वाली थी। हालांकि यह बैठक अब टल गई है।

अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जनरल की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान की नैशनल काउंटर टेररिज्म अथार्टी इस लिस्ट को देखती है। इसका उद्देश्य ऐसे लोगों के साथ वित्तीय संस्थानों के बिजनस न करने में मदद करना है। इस लिस्ट में वर्ष 2018 में कुल 7600 नाम थे लेकिन पिछले 18 महीने में इसकी संख्या को घटाकर अब 3800 कर दिया गया है। यही नहीं इस साल मार्च महीने की शुरुआत से लेकर अब तक 1800 नामों को लिस्ट से हटाया गया है।

एफएटीएफ ने पाकिस्तान को 27 बिंदुओं पर ऐक्शन लेने के लिए जून तक का वक्त्त दिया है। अगर पाकिस्तान 27 बिंदुओं को पूरा करने में असफल रहता है तो एफएटीएफ उसे काली सूची में डाल सकता है।

वुहान की लैब से फैला कोरोना वायरसः यूएस रिपोर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। पूरी दुनिया में लाखों लोगों की जान लेने वाले कोरोना वायरस के स्रोत को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। कोरोना महामारी की जांच कर रही अमेरिकी सरकार की रिपोर्ट के मुताबिक कोरोना वायरस के वुहान की लैब से फैलने की सबसे अधिक संभावना है। इस रिपोर्ट में तमाम सबूतों का जिक्र किया गया है और कहा गया है कि किसी अन्य स्रोत से कोरोना वायरस के इंसान में फैलने की बहुत कम संभावना है।

अमेरिकी अखबार वाशिंगटन टाइम्स की एक्सक्लूसिव रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी सरकार ने ओपन सोर्स से इकट्ठा किए गए दस्तावेजों के आधार पर यह कहा है। अमेरिका का कहना है कि ऐसा कोई बहुत ठोस सबूत नहीं है जिसके आधार पर यह कहा जा सकता है कि वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वाइरोलॉजी या चीनी सेंटर फॉर डिजिज कंट्रोल की वुहान ब्रांच ने इस महामारी के लिए जिम्मेदार है। यह दोनों ही वुहान शहर में हैं जहां से यह महामारी शुरू हुई थी।

अमेरिका का मानना है कि ठोस सबूत भले ही न हो लेकिन दस्तावेजों से पता चलता है कि ऐसे परिस्थितिजन्य साक्ष्य हैं जिससे यह पता चलता है कि इस मामले में ऐसे हुआ हो।

दुनिया में इस साल टूटेगा गर्मी का रेकॉर्ड?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस साल गर्मी के सारे पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त हो सकते हैं। जबसे धरती के तापमान का रिकॉर्ड रखना शुरू किया गया, उससे लेकर अब तक 2020 सबसे गर्म वर्ष हो सकता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस साल गर्मी का रेकॉर्ड टूटने की 50 से 70 फीसदी गुंजाइश है। दुनिया में सबसे ज्यादा गर्मी का रेकॉर्ड चार साल पहले बना था। माना जा रहा है कि कोरोनावायरस के कारण दुनियाभर में लॉकडाउन है जिससे आसमान साफ हो रहा है और प्रदूषण में कमी आ रही है। लेकिन इससे जलवायु को ठंडा रखने में कोई मदद नहीं मिली है। वास्तव में गर्मी का रिकॉर्ड टूटने की शुरुआत जनवरी से हुई थी।

चीन में ही नहीं रोका गया कोरोना दुनिया के 184 देश भुगत रहे नर्क

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अमेरिकी राष्ट्रपति ने चीन पर फिर बोला हमला

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर कोरोना वायरस को शुरुआती स्तर पर रोकने में विफल रहने को लेकर हमले तेज कर दिए हैं। उनका कहना है कि इसके कारण दुनिया के 184 देश 'नर्क जैसी स्थिति' से गुजर रहे हैं। इसी बीच अमेरिकी सांसदों ने मांग की है कि निर्माण और खनिज के लिए चीन के ऊपर से निर्भरता कम की जाए।

ट्रंप लगातार 'अदृश्य शत्रु' के प्रकोप के लिए सार्वजनिक स्तर पर चीन को दोषी ठहरा रहे हैं और इस संबंध में उन्होंने जांच भी शुरू की है। उन्होंने यह भी संकेत दिए हैं कि वह जर्मनी के क्षति के लिए चीन से मांगे गए 140 अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा मुआवजे के बारे में सोच रहे हैं। अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी के नेताओं का मानना है कि अगर चीन शुरुआती स्तर पर इस वायरस को लेकर जानकारियां साझा करता तो वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्था की हालत इतनी बुरी नहीं होती और इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जानें नहीं जाती।

ट्रंप ने मंगलवार को वाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा, 'यह 184 देशों में है। जैसा कि आप मुझे यह कहते हुए प्रायः सुन सकते हैं कि इस पर विश्वास करना मुश्किल है। यह समझ से परे है। इसे स्रोत पर ही रोका जा सकता था, जो कि चीन में था। इसे वहीं रोका जा सकता था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। और अब 184 देश नर्क से गुजर रहे हैं।' पिछले साल मध्य नवंबर में यह वायरस चीन से उभरा था और अब तक पूरी दुनिया में दो लाख से ज्यादा लोगों की मौत इसकी वजह से हो चुकी है। सबसे ज्यादा 59,000 लोगों की मौत अमेरिका में हुई है। अमेरिका में इसके व्यापक प्रकोप की वजह से ट्रंप पर लगातार अमेरिकी सांसद यह दबाव डाल रहे हैं कि बीजिंग पर अमेरिका की निर्भरता कम की जाए।

कोरोना को महिलाओं से जोड़ घिरे मौलाना तारिक को मांगनी पड़ गई माफी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के एक टॉप मौलवी मौलाना तारिक जमील के लिए महिलाओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करना महंगा पड़ गया, जब उन्हें महिला राजनीतिज्ञों सहित सिविल सोसायटी ने उन्हें जमकर लताड़ लगाई । दुनिया जहां कोरोना वायरस से जूझ रही है, वहीं मौलाना ने यह दावा कर दिया कि महिलाएं को कम कपड़ा पहनता देख नाराज होकर अल्लाह ने कोरोना भेजा है। हालांकि, अब लोगों के गुस्सा झेल रहे मौलाना को माफी मांगनी पड़ गई है।

मौलाना ने महिलाओं को लेकर की गई अभद्र टिप्पणी पर बयान जारी कह कहा कि उनका मकसद किसी को दुख पहुंचाना नहीं था। मौलाना ने ट्वीट किया, श्हाल में मैंने कुछ बयान दिए थे और मैं इसपर स्पष्टीकरण देना चाहता हूं। मेरा लक्ष्य यह मुद्दा उठाना था कि इस स्थिति के लिए हम सभी जिम्मेदार हैं। यह सबके लिए था किसी महिला, पुरुष और लिंग के लिए नहीं था। यह सिर्फ अल्लाह के करीब जाने का रिमाइंडर था। उन्होंने आगे लिखा, मैं यह स्वीकार करना चाहता हूं कि मैं कई सालों से पढ़ाता रहा हूं। यह चोट पहुंचाने वाले बयान का बहाना नहीं हो सकता।